

Section A: वस्तुनिष्ठ प्रश्न (MCQs & Assertion-Reason)

प्रश्न 1. लाला लाजपत राय के 'गुलामी की लज्जा का कलंक' वाले अनुभव का लेखक के मानस पर क्या तात्कालिक प्रभाव पड़ा?

- (क) वे अपना घर और नगर छोड़कर विदेश यात्रा पर निकल गए।
- (ख) उनके मन में संचित ज्ञान-भंडार के प्रति अरुचि पैदा हो गई।
- (ग) उनकी व्यक्तिगत झूठी पूर्णता का भ्रम टूट गया और उनके विचारों में एक मानसिक भूकंप आ गया।
- (घ) उन्होंने चुनाव प्रक्रिया में भाग लेना पूरी तरह बंद कर दिया।

प्रश्न 2. महाभारत के 'शल्य' के उदाहरण द्वारा लेखक राष्ट्रीय स्तर पर किस कुरुचिपूर्ण आचरण को रोकने की चेतावनी देते हैं?

- (क) सार्वजनिक स्थानों पर केले का छिलका या कूड़ा बाहर फेंकना।
- (ख) बसों या क्लबों में बैठकर अपने ही देश को निरंतर हीन और दूसरे देशों को श्रेष्ठ सिद्ध करना, जिससे सामूहिक मानसिक बल का हास हो।
- (ग) पुस्तकालय से दुर्लभ चित्रों को चुराकर पन्ने फाड़ना।
- (घ) चुनाव के समय उत्तेजक नारों के प्रभाव में आकर गलत व्यक्ति को मत देना।

प्रश्न 3. कथन-कारण प्रश्न (Assertion-Reason Questions):

कथन (A): मुस्तफ़ा कमालपाशा ने गरीब बूढ़े किसान द्वारा लाए गए पाव-भर शहद को दुनिया का सर्वोत्तम उपहार स्वीकार किया।
कारण (R): महत्व किसी कार्य की भौतिक विशालता या उसकी भारी कीमत में नहीं होता, बल्कि उस कार्य के पीछे छिपी हुई पवित्र और शुद्ध 'भावना' में होता है।

- (क) कथन A सही है, परंतु कारण R गलत है।
- (ख) कथन A गलत है, परंतु कारण R सही है।
- (ग) कथन A और कारण R दोनों सही हैं तथा कारण R, कथन A की सही व्याख्या करता है।
- (घ) कथन A और कारण R दोनों सही हैं, परंतु कारण R, कथन A की सही व्याख्या नहीं करता है।

प्रश्न 4. पाठ में आए ऐतिहासिक तत्वों के आधार पर निम्नलिखित का सही मिलान (Match the Following) कीजिए:

स्तंभ 'क' (ऐतिहासिक प्रसंग / पात्र)	स्तंभ 'ख' (सम्बद्ध म मुख्य संदेश / गुण)
(1) जापानी युवक (प्लेटफार्म)	(अ) अदम्य हवाई रण-कौशल और सर्वोच्च परम वीर चक्र
(2) सुतलियों की खाट वाला किसान	(ब) देश के सौंदर्यबोध की रक्षा और निश्छल राष्ट्र-गौरव
(3) फ्लाइंग ऑफिसर निर्मल जीत सिंह	(स) सघन आत्मविश्वास में संदेह की तरेड़ डालना
(4) महाबली कर्ण का सारथी शल्य	(द) पंडित नेहरू द्वारा शुद्ध भावना का दस्तखती फोटो से सम्मान

Section B: अतिलघु उत्तरीय प्रश्न (1 अंक)

प्रश्न 5. कन्हैयालाल मिश्र 'प्रभाकर' जी को उनकी उत्कृष्ट साहित्यिक पत्रकारिता और देश-सेवा के लिए भारत सरकार द्वारा किस सम्मान से अलंकृत किया गया था?

उत्तर -

.....

.....

प्रश्न 6. "अकेला चना क्या भाड़ फोड़े"—इतिहास के आलोक में लेखक ने इस प्रसिद्ध कहावत को कितने प्रतिशत झूठ सिद्ध किया है?

उत्तर -

Section C: लघु उत्तरीय प्रश्न (2 अंक)

प्रश्न 7. जापानी पुस्तकालय से दुर्लभ चित्र चुराने वाले विदेशी छात्र को पुलिस द्वारा पकड़े जाने पर उसके पूरे देश को क्या गंभीर भुगतना पड़ा?

उत्तर -

प्रश्न 8. "मैं दो सेबर फाइटर एयरक्राफ्ट के पीछे लगा हूँ। मैं उन्हें भागने नहीं दूँगा।" फ्लाइंग ऑफिसर निर्मल जीत सिंह सेखों का यह फौलादी संकल्प किस विषम परिस्थिति में प्रकट हुआ था?

उत्तर -

Section D: दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (4 अंक)

प्रश्न 9. "चुनाव प्रक्रिया किसी भी स्वतंत्र देश के नागरिकों की उच्चता और हीनता को तोलने की वास्तविक कसौटी है।" 'मैं और मेरा देश' निबंध के आधार पर इस कथन की विस्तृत तार्किक समीक्षा कीजिए।

उत्तर -

Section E: रचनात्मक/मूल्य आधारित प्रश्न (HOTS - 5 अंक)

प्रश्न 10. पाठ में प्रयुक्त 'सौंदर्य-बोध' (Saundaryabodh) की संकल्पना को ध्यान में रखते हुए, अपने शहर या ऐतिहासिक स्मारकों की स्वच्छता को बनाए रखने के लिए पाँच व्यावहारिक बिंदुओं की एक 'नागरिक आचार संहिता' (Code of Conduct) तैयार कीजिए।

उत्तर -

उत्तरकुंजी (कार्यपत्रिका - 1)

1. **उत्तर:** (ग) उनकी व्यक्तिगत झूठी पूर्णता का भ्रम टूट गया और उनके विचारों में एक मानसिक भूकंप आया।
2. **उत्तर:** (ख) बसों या क्लबों में बैठकर अपने ही देश को निरंतर हीन और दूसरे देशों को श्रेष्ठ सिद्ध करना, जिससे सामूहिक मानसिक बल का हास हो।
3. **उत्तर:** (ग) कथन A और कारण R दोनों सही हैं तथा कारण R, कथन A की सही व्याख्या करता है।
4. **उत्तर मिलान:** (1) -> (ब), (2) -> (द), (3) -> (अ), (4) -> (स)।
5. **उत्तर:** कन्हैयालाल मिश्र 'प्रभाकर' जी को भारत सरकार द्वारा 'पद्म श्री' से सम्मानित किया गया था।
6. **उत्तर:** लेखक ने इस कहावत को 'सौ फीसदी' (शत-प्रतिशत) झूठ सिद्ध किया है क्योंकि इतिहास गवाह है कि कई बार अकेले चने ने ही भाड़ फोड़ा है।
7. **उत्तर:** उस विदेशी छात्र की चोरी के कारण न केवल उसे जापान से अपमानित करके निकाला गया, बल्कि पुस्तकालय के बाहर मुख्य बोर्ड पर कड़े शब्दों में लिख दिया गया कि उस देश का कोई भी निवासी इस पुस्तकालय में कभी प्रवेश नहीं कर सकता। एक नागरिक के कुकर्म ने उसके पूरे देश को वर्षों के लिए लांछित कर दिया।
8. **उत्तर:** यह संकल्प १४ दिसंबर १९७१ को उस समय प्रकट हुआ था जब श्रीनगर हवाई पट्टी पर ६ पाकिस्तानी सेबर जेट विमान भारी बमबारी कर रहे थे और रनवे पूरी तरह धुएँ से घिरा था। मात्र २६ वर्ष की आयु के सेखों अकेले अपने छोटे नैट विमान के साथ १:६ की असमान और जानलेवा जंग में शत्रुओं को आसमान में ही खदेड़ रहे थे।
9. **उत्तर:** लेखक के अनुसार चुनाव ही वह थर्मामीटर है जो नागरिकों की राष्ट्रीय चेतना को मापता है। जिस देश के नागरिक बिना किसी प्रलोभन के, गलत प्रभावों या उत्तेजक और भड़काऊ नारों में आए बिना पूरी सूझबूझ से अपना मत 'ठीक और योग्य मनुष्य' को देते हैं, वह देश उच्च माना जाता है। अयोग्य व्यक्ति को कुर्सी पर बैठने से रोकना नागरिक का सर्वोच्च अधिकार और कर्तव्य है, क्योंकि गलत चुनाव पूरे राष्ट्र के भविष्य को हीन बना देता है।
10. **उत्तर: नागरिक आचार संहिता (Code of Conduct):** * सार्वजनिक सड़कों, पार्कों या रेल की पटरियों पर केला खाकर छिलका या कोई भी प्लास्टिक कचरा कभी न फेंकें।
 - ऐतिहासिक स्मारकों, प्राचीन किलों या धरोहरों की दीवारों पर अपना नाम लिखकर या खुरचकर कुरुचिपूर्ण आचरण न करें।
 - सार्वजनिक स्थानों, धर्मशालाओं या सीढ़ियों (जीनों) के कोनों में कभी भी पीक न थूकें।
 - उत्सवों, मेलों, रेलों या टिकट काउंटर्स पर कतार (Line) का पालन करें और 'ठेलमठेल' (धक्का-मुक्की) से दूर रहें।
 - अपने घर के साथ-साथ गली, दफ्तर और विद्यालय परिसर को सुंदर और सुरुचिपूर्ण बनाए रखने में सक्रिय योगदान दें।



Section A: अपठित गद्यांश एवं भाषा-बोध (Comprehension & Grammar)

निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर दिए गए प्रश्नों के सटीक उत्तर लिखिए:

"राष्ट्र केवल एक मिट्टी की भौगोलिक सीमा या मानचित्र की लकीरें नहीं होता, बल्कि वहाँ के नागरिकों का सामूहिक चरित्र, उनका आत्मसम्मान और उनकी सुरुचि ही राष्ट्र का वास्तविक स्वरूप निर्धारित करते हैं। कन्हैयालाल मिश्र 'प्रभाकर' का निबंध 'मैं और मेरा देश' इसी गहन मानवतावादी दृष्टिकोण को प्रतिपादित करता है। एक जागरूक नागरिक कभी भी अपने देश के 'शक्तिबोध' को कमजोर नहीं होने देता और न ही अपने किसी कुरुचिपूर्ण आचरण से उसके 'सौंदर्यबोध' को गहरी चोट पहुँचाता है। इतिहास गवाह है कि स्वाधीनता संग्राम के सेनानियों ने अपने प्राणों की आहुति देकर जिस आज़ादी को पाया, उसकी रक्षा करना प्रत्येक नागरिक का परम कर्तव्य और जन्मसिद्ध अधिकार है। हमारा हर छोटा आचरण हमारे संपूर्ण राष्ट्र का प्रतिनिधित्व करता है।"

प्रश्न 1. गद्यांश और पाठ के अनुसार, एक जागरूक नागरिक का अपने देश के प्रति क्या परम कर्तव्य है?

- (क) केवल अपने घर और पड़ोस की सीमाओं में ही सीमित रहना।
(ख) देश के 'शक्तिबोध' और 'सौंदर्यबोध' को हानि न पहुँचाकर अपने सत्कर्मों से उसे सशक्त करना।
(ग) विदेशों में जाकर अपने ही देश की व्यवस्था की निरंतर आलोचना करना।
(घ) केवल आर्थिक रूप से संपन्न होकर ऐश्वर्यपूर्ण साधन जुटाना।

प्रश्न 2. "भेदभाव की भावना सामाजिक एकता में दरार डालती है।" इस वाक्य में रेखांकित शब्द 'दरार' का क्या अर्थ है?

- (क) भवन की छत में आई भौतिक चटक या टूटना।
(ख) संबंधों में आई दूरी, खटास या पारस्परिक वैचारिक दरार।
(ग) समुद्र के किनारे पाई जाने वाली बहुरंगी रेत का आकार।
(घ) वायुयान के उड़ने की तीव्र फड़फड़ाहट ध्वनि।

प्रश्न 3. 'निरक्षरता' और 'अभिमानि' शब्दों में क्रमशः मूल शब्द क्या हैं?

- (क) साक्षर और अभि
(ख) अक्षर और मान
(ग) ता और ई
(घ) निर और मान

Section B: अतिलघु उत्तरीय प्रश्न (1 अंक)

प्रश्न 4. "आप फलों का मूल्य देना ही चाहते हैं तो वह यह है कि आप अपने देश में जाकर..." यह विशिष्ट कथन जापानी युवक ने किस भारतीय संत से कहा था?

उत्तर -

प्रश्न 5. पाठ के अनुसार, महाबली कर्ण का वह कौन-सा सारथी था जो बार-बार अर्जुन की अजेयता का उल्लेख कर कर्ण के आत्मविश्वास को तोड़ता था?

उत्तर -

Section C: लघु उत्तरीय प्रश्न (3 अंक)

प्रश्न 6. एक साधारण भारतीय किसान द्वारा रंगीन सुतलियों से बुनी हुई खाट प्रधानमंत्री पंडित नेहरू को भेंट किए जाने पर पंडित जी ने उसकी भावना का किस प्रकार सम्मान किया?

उत्तर -

प्रश्न 7. 'शब्द-युग्म' किसे कहते हैं? पाठ में आए 'ममता-दुलार' और 'भरा-पूरा' शब्द-युग्म भाषा में क्या प्रभाव उत्पन्न करते हैं?

उत्तर -

Section D: दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (4 अंक)

प्रश्न 8. "देश की हीनता और गौरव का फल केवल उसे ही नहीं मिलता, उसके आचरण का फल भी उसके देश को मिलता है।" जापान की दो विपरीत घटनाओं के आलोक में इस कथन की सविस्तार समीक्षा कीजिए।

उत्तर -

Section E: रचनात्मक/मूल्य आधारित प्रश्न (HOTS - 5 अंक)

प्रश्न 9. "प्रगति का तात्पर्य है स्वतंत्रता की ओर प्रस्थान। जैसे ही तुममें पर-निर्भरता पनपती है, स्वतंत्रता पलायन कर जाती है।" लाला लाजपत राय के इस पूरक विचार से सीख लेते हुए, आज के छात्रों में 'आत्मनिर्भरता' (Self-reliance) और 'आत्मविश्वास' की भावना जगाने हेतु एक संक्षिप्त ५ सूत्रीय कार्य-योजना (Action Plan) तैयार कीजिए।

उत्तर -

उत्तरकुंजी (कार्यपत्रिका - 1)

1. **उत्तर:** (ख) देश के 'शक्तिबोध' और 'सौंदर्यबोध' को हानि न पहुँचाकर अपने सत्कर्मों से उसे सशक्त करना।
2. **उत्तर:** (ख) संबंधों में आई दूरी, खटास या पारस्परिक वैचारिक दरार।
3. **उत्तर:** (ख) अक्षर और मान [निर् + अक्षर + ता = निरक्षरता; अभि + मान + ई = अभिमानी]।
4. **उत्तर:** यह प्रसिद्ध कथन जापानी युवक ने भारत के महान संत **स्वामी रामतीर्थ** से प्लेटफार्म पर कहा था।
5. **उत्तर:** कर्ण का वह सारथी '**शल्य**' था, जिसके नकारात्मक वचनों ने कर्ण के आत्मविश्वास में पराजय की नींव रख दी थी।
6. **उत्तर:** प्रधानमंत्री पंडित नेहरू ने उस मामूली खाट को न केवल सहर्ष स्वीकार किया, बल्कि उस किसान की अगाध आत्मीय भावना से भाव-मुग्ध होकर उसे अपना एक **कीमती स्वयं द्वारा दस्तखती (हस्ताक्षरित) फोटो** उपहार में भेंट किया।
7. **उत्तर:** जोड़े में लिखे जाने वाले शब्दों को शब्द-युग्म कहते हैं। 'ममता-दुलार' और 'भरा-पूरा' जैसे समानार्थक व मिलते-जुलते भाव वाले शब्द-युग्मों के प्रयोग से भाषा अत्यधिक सुदृढ़, प्रभावशाली, सजीव और प्रवाहपूर्ण हो जाती है।
8. **उत्तर:** लेखक ने स्पष्ट किया है कि नागरिक का चरित्र ही देश का चरित्र है। जब एक जापानी युवक ने अपनी ट्रेन छोड़कर स्वामी रामतीर्थ को ताजे फल भेंट किए और पैसे लेने से मना किया, तो उसने पूरे जापान राष्ट्र का सिर दुनिया के सामने गौरव से ऊँचा कर दिया। इसके विपरीत, जब एक विदेशी छात्र ने सरकारी पुस्तकालय की पुस्तक से दुर्लभ चित्र चुराए, तो उसकी इस हीन चोरी के कारण पूरे पुस्तकालय के बाहर उसके संपूर्ण देश के निवासियों के प्रवेश पर प्रतिबंध लगा दिया गया। यह दोनों घटनाएँ सिद्ध करती हैं कि नागरिक का आचरण सीधे तौर पर राष्ट्र को या तो सम्मानित करता है या फिर लांछित करता है।
9. **उत्तर:** छात्रों में आत्मनिर्भरता हेतु ५ सूत्रीय कार्य-योजना (Action Plan): * १. **स्वावलंबन अभ्यास:** छात्र अपने दैनिक व्यक्तिगत कार्य (जैसे अपनी यूनिफॉर्म साफ़ रखना, किताबें व्यवस्थित रखना) स्वयं करने की आदत डालें।
 - २. **वैचारिक दृढ़ता:** परीक्षाओं या गृहकार्य में किसी अन्य की नकल (पर-निर्भरता) करने के बजाय अपने स्वयं के पुरुषार्थ और पढ़ाई पर अटूट विश्वास रखें।
 - ३. **कौशल विकास (Skill Development):** विद्यालयों में पढ़ाई के साथ-साथ कम से कम एक रचनात्मक या तकनीकी कौशल (जैसे हस्तशिल्प, कोडिंग या बागवानी) अनिवार्य रूप से सीखें।
 - ४. **सामूहिक समस्या समाधान:** कक्षा प्रतिनिधि या बाल-सभा के माध्यम से अपनी छोटी समस्याओं का समाधान शिक्षकों पर आश्रित रहने के बजाय आपस में सूझबूझ से खोजें।
 - ५. **नैतिक जिम्मेदारी:** लालाजी के विचारों के अनुसार, अपने समय और साधनों का किफ़ायत से उपयोग करके देश की प्रगति में अपना छोटा ही सही, पर स्वतंत्र योगदान सुनिश्चित करें।

